सत्यमेव जयते

Central Adoption Resource Authority
केन्द्रीय दत्तक–ग्रहण संसाधन प्राधिकरण

(A Statutory Body of Ministry of Women & Child Development, Government of India)
(भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की सांविधिक निकाय)

CARA

No. 63–36 / 2018 / डिस्ट्रप्शन / कारा / एमपी Date. 03 / 10 / 2019

परामर्शी सूचना

विषयः दत्तकग्रहण के संबंध में गृह अध्ययन रिपोर्ट (एचएसआर) की तैयारी एवं संभावित दत्तकग्राही माता–पिता (पीएपी) के परामर्श हेतु दिशा–निर्देश

सेवा में,
समस्त राज्य दत्तक ग्रहण संसाधन अभिकरण,
समस्त जिला बाल सरक्षण एकक,
समस्त विशिष्ट दत्तक ग्रहण अभिकरण

संभावित दत्तकग्राही माता–पिता (पीएपी) को परामर्श देना एवं गृह अध्ययन रिपोर्ट (एचएसआर) तैयार करना किसी बच्चे को गोद लेने की प्रक्रिया का अत्यंत संवेदनशील हिस्सा होता है। यह केवल प्रश्नोत्तर सत्र नहीं होता है अपितु जानकारी साझा करने की द्वीस्तरीय प्रक्रिया भी है जो संभावित माता–पिताओं को अभिभावक बनने के लिए तैयार करेगी।

गृह अध्ययन दौरा विशेषीकृत दत्तक ग्रहण अभिकरण के लिए एक ऐसा अवसर भी है जिससे वे संभावित दत्तक माता–पिता की उपयुक्तता और उत्सकुता जान सकें। चर्चा के माध्यम से जैविक बच्चो से विहीन दत्तक माता पिता को भावनात्मक रूप से सशक्त करना भी एक महत्वपूर्ण लक्ष्य है। निम्नलिखित बिन्दुओ को ध्यान मे रख कर गृह अध्ययन दौरा करे एवं रिपोट तैयार करे :

क) गृह अध्ययन रिपोट संभावित दत्तक ग्राही माता पिता की बच्चे को गोद लेने की उपयुक्तता एवं उत्सुकता के आकलन करने हेतु तैयार की जाती है।

ख) गृह अध्ययन रिपोर्ट तैयार करने वाले व्यक्ति की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह तथ्यात्मक जानकारी से आगे जाकर यह समझे कि आंकलन के दौरान उसे क्या दिखाई दे रहा है। आदर्श रूप से, संभावित दत्तक माता–पिता का केवल साक्षात्कार ही नहीं बल्कि एक से अधिक बार घर का दौरा किया जाना चाहिए।

ग) सबसे पहला कदम "मेल–जोल बढ़ाने" एवं यह सुनिश्चित करने का होना चाहिए कि संभावित दत्तक माता–पिता दो–तरफा परिचर्चा में शामिल होने के लिए तैयार है।

घ) गृह अध्ययन करने वाले सामाजिक कार्यकर्त्ता को हर समय "बच्चे पर केंद्रित" रहना है। यह अध्ययन बच्चे की जरूरतों के बारे में है न कि माता–पिता की जरूरतों के बारे में। *ऐसा बच्चा जिसे एक घर की जरूरत है के लिए एक उपयुक्त परिवार ढूंढना है नाकी ऐसे माता–पिता के लिए उपयुक्त बच्चा ढूंढना है जिसका एचएसआर के दौरान साक्षात्कार लिया जा रहा है।*

3. संभावित दत्तक माता–पिता एवं उनके आंकलन को समझने के लिए सुझाई गई कार्य–प्रणाली:

क) माता–पिता का संवेदनशीलता, करुणा, चिंता एवं गैर–आलोचनात्मक मनोभाव वाला दृष्टिकोण हो।

ख) संभावित दत्तक माता–पिता के गोद लेने के निर्णय के उपरांत उन्हें बहुत भावनात्मक मदद की आवश्यकता होती है। व्यग्रता, चिंता, अनिश्चितता, संदेह, अपराधबोध एवं कई ऐसी अन्य भावनाएं होती हैं (जैसे जैविक बच्चा पैदा करने में अक्षम होना या किसी जैविक बच्चे को खोना) उसे व्यक्त करने दें व उस पर चर्चा करें।

West Block-VIII, Wing-II, 2nd Floor, R.K. Puram, New Delhi-110066 (India)
Ph: +91-011-26180194, 26180196, Tollfree: 1800-11-1311, Telefax: +91-011-26180198
E-mail: carahdesk.wcd@nic.in, Website : www.cara.nic.in